COP30 ब्राजील में: वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए सत्य का क्षण

UPSC Prelims के लिए प्रासंगिकता:

COP30 (आयोजन स्थल: बेलम, ब्राजील), ट्रॉपिकल फॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF), राष्ट्र-निर्धारित योगदान (NDCs), समान लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व का सिद्धांत (CBDR)

Mains (GS Paper 3 – पर्यावरण) के लिए प्रासंगिकता।

खबरों में क्यों

ब्राजील के अमेज़न क्षेत्र में हुए **बेलम शिखर सम्मेलन (Belém Summit)** ने आगामी **30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP30)** की नींव रखी है, जिसकी मेज़बानी ब्राजील 2025 में करेगा।

ब्राजील के राष्ट्रपति **लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा** ने इस सम्मेलन को *"सत्य का COP"* कहा है। उन्होंने सभी देशों से केवल प्रतीकात्मक वादों से आगे बढ़कर **वास्तविक, न्यायसंगत और विज्ञान-आधारित जलवायु कार्रवाई** की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है।

पृष्ठभूमि

1. COP ढाँचा क्या है

पार्टियों का सम्मेलन (COP), संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। इसे 1992 में **रियो डी जनेरियो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन (Earth Summit)** के दौरान अपनाया गया था।

पहला COP (COP1) 1995 में **बर्लिन** में हुआ था। इसके बाद कई महत्वपूर्ण पड़ाव आए —

- **COP3 (क्योटो प्रोटोकॉल, 1997):** विकसित देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन लक्ष्य।
- **COP21 (पेरिस समझौता, 2015):** वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C से नीचे, और आदर्श रूप से 1.5°C तक सीमित करने का वचन।
- **COP26 (ग्लासगो, 2021):** कोयले के उपयोग में कटौती और नेट-ज़ीरो समय-सीमा पर प्रतिबद्धताएँ।
- **COP28 (दुबई, 2023):** पेरिस समझौते के तहत प्रगति का पहला *Global Stocktake*।

COP सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन से संबंधित **शमन (mitigation)**, **अनुकूलन (adaptation)** और **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (technology transfer)** पर वैश्विक संवाद और वित्तपोषण का प्रमुख मंच हैं।

2. वैश्विक जलवायु शासन में ब्राजील की भूमिका

ब्राजील तीन दशकों से अधिक समय से जलवायु कूटनीति में अग्रणी रहा है।

1992 के ऐतिहासिक **पृथ्वी शिखर सम्मेलन (Rio Summit)** की मेज़बानी भी ब्राजील ने की थी, जिससे तीन महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संधियाँ (Conventions) बनीं —

- **UNFCCC (जलवायु परिवर्तन पर)**
- **CBD (जैविक विविधता पर)**
- **UNCCD (मरुस्थलीकरण से निपटने पर)**

इनसे वैश्विक स्तर पर एक नई पर्यावरणीय सोच विकसित हुई — *विकास और स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित करना।*

अब, 33 वर्ष बाद, दुनिया फिर से ब्राजील के **अमेज़न के बेलम शहर** में COP30 के लिए लौट रही है — जो प्रतीकात्मक रूप से "पृथ्वी के फेफड़ों" को वैश्विक जलवायु वार्ता के केंद्र से जोड़ता है।

राष्ट्रपति लूला का कहना है कि COP30 को केवल वादों का मंच नहीं, बल्कि **जवाबदेही और सामूहिक संकल्प का क्षण** बनना चाहिए — यही "सत्य का COP" है।

मुख्य मुद्दे और चुनौतियाँ

1. **बहुपक्षवाद में विश्वास की कमी:**
   कई अधूरे वादों के कारण COP बैठकों और वैश्विक कूटनीति पर जनता का भरोसा कम हुआ है। दशकों के प्रयासों के बावजूद, उत्सर्जन और वनों की कटाई बढ़ते जा रहे हैं।
2. **जलवायु जिम्मेदारी की असमानता:**
   विकासशील देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन बहुत कम है, फिर भी वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सबसे ज्यादा सामना कर रहे हैं। लूला ने दोहराया कि **CBDR (Common But Differentiated Responsibilities)** का सिद्धांत अब भी *गैर-परक्राम्य* है।
3. **जलवायु वित्त की कमी:**
   विकसित देशों द्वारा प्रति वर्ष 100 अरब डॉलर देने का वादा आज भी अधूरा है, जिससे विकासशील देशों में शमन और अनुकूलन प्रयास प्रभावित हो रहे हैं।
4. **वैश्विक शासन की निष्क्रियता:**
   संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएँ जलवायु संकटों से निपटने में विफल रही हैं। इस कारण **वैश्विक शासन ढाँचे में सुधार** की आवश्यकता है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
9235313184, 9235440806

ब्राजील का जलवायु नेतृत्व

1. **अमेज़न वनों की कटाई में 50% कमी:**
   सिर्फ दो साल में वनों की कटाई आधी हो गई — यह दर्शाता है कि सशक्त शासन और निगरानी से ठोस परिणाम मिल सकते हैं।
2. **ट्रॉपिकल फॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF):**
   यह अपनी तरह का पहला निवेश-आधारित फंड है जो वन संरक्षण को प्रोत्साहन देता है। पारंपरिक सहायता तंत्रों के बजाय, यह **वन राष्ट्रों और निवेशकों दोनों को लाभ** देता है।
   ब्राजील ने इसके लिए **1 अरब डॉलर** देने का वचन दिया है और अन्य देशों को भी इस सतत मॉडल से जुड़ने का आमंत्रण दिया है।

3. **महत्वाकांक्षी NDC लक्ष्य:**
ब्राजील का अद्यतन NDC निम्नलिखित को शामिल करता है —

- 2030 तक **59–67% उत्सर्जन में कमी**,
- सभी ग्रीनहाउस गैसों और आर्थिक क्षेत्रों को शामिल करना,
- 88% बिजली पहले से ही नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त।

4. **ऊर्जा परिवर्तन और हरित औद्योगिक नीति:**
ब्राजील हरित ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व कर रहा है —

- जैव ईंधन, पवन, सौर और हरित हाइड्रोजन पर फोकस,
- तेल-निर्भरता से सतत विकास की ओर बदलाव,
- तेल राजस्व को हरित परियोजनाओं के लिए पुनः उपयोग करना।

जन-केंद्रित जलवायु कार्रवाई

लूला कहते हैं कि **जलवायु न्याय ही सामाजिक न्याय** होना चाहिए।
आज भी 2 अरब से अधिक लोगों के पास स्वच्छ ईंधन नहीं है और 67 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं।
ब्राजील "**भूख, गरीबी और जलवायु पर घोषणा**" शुरू करेगा, जो **गरीबी उन्मूलन और जलवायु कार्रवाई** को जोड़ती है। यह पहल SDGs के लक्ष्यों —

- लक्ष्य 1 (गरीबी समाप्त),
- लक्ष्य 2 (भूखमुक्त दुनिया), और
- लक्ष्य 13 (जलवायु कार्रवाई) — से मेल खाती है।

वैश्विक जलवायु शासन में सुधार

राष्ट्रपति लूला ने संयुक्त राष्ट्र महासभा से जुड़ी एक **संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन परिषद** बनाने का प्रस्ताव दिया है, जो —

- देशों की प्रतिबद्धताओं की निगरानी करेगी,
- जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी,
- और वैश्विक बहुपक्षवाद को मजबूत बनाएगी।

यह परिषद **पेरिस समझौते की निगरानी करने वाले संरक्षक निकाय** के रूप में काम कर सकती है और उन संस्थागत बाधाओं को दूर कर सकती है जो वर्तमान में जलवायु नीति को निष्क्रिय बनाए हुए हैं।

आगे का रास्ता (Way Forward)

- **वादों से कार्यान्वयन की ओर बढ़ें:** हर घोषणा को ठोस राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं में बदला जाए।
- **जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:** विकसित देश अपने वित्तीय दायित्व निभाएँ और हरित तकनीक साझा करें।
- **संस्थागत सुधार:** एक मजबूत जलवायु परिषद जवाबदेही और प्रदर्शन समीक्षा को नियमित बना सकती है।

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- **न्यायसंगत व समावेशी परिवर्तन:** जलवायु नीति में असमानता, आजीविका और ऊर्जा पहुँच को जोड़ा जाए।
- **स्थानीय आवाज़ों को सशक्त बनाना:** अमेज़न के स्वदेशी समुदायों को संरक्षण के सक्रिय भागीदार बनाया जाए।

निष्कर्ष

ब्राजील में होने वाला **COP30 केवल एक जलवायु सम्मेलन नहीं**, बल्कि यह **वैश्विक एकता और राजनीतिक इच्छाशक्ति की परीक्षा** है।
अमेज़न जैसे पारिस्थितिक हृदय में इसका आयोजन, हमें प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन की मूल भावना की याद दिलाता है।
यदि "सत्य का COP" सफल होता है, तो यह न केवल बहुपक्षीय विश्वास को पुनर्स्थापित करेगा बल्कि **एक न्यायसंगत और स्थायी वैश्विक जलवायु व्यवस्था** की दिशा में नई शुरुआत साबित होगा।

COP (वर्ष, स्थान)	मुख्य परिणाम (सरल शब्दों में)
COP 3 (1997, क्योटो, जापान)	**क्योटो प्रोटोकॉल** को अपनाया गया, जो एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है जिसमें विकसित देशों को उनके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता है।
COP 7 (2001, मराकेश, मोरक्को)	**मराकेश समझौते** (Marrakesh Accords) का निर्माण किया गया, जिसने क्योटो प्रोटोकॉल के आधिकारिक रूप से **पुष्टि** (ratification) होने का मार्ग प्रशस्त किया।
COP 8 (2002, नई दिल्ली, भारत)	**दिल्ली घोषणा** (Delhi Declaration) जारी की गई, जिसमें जलवायु परिवर्तन से लड़ते हुए सबसे गरीब देशों की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।
COP 13 (2007, बाली, इंडोनेशिया)	**बाली रोड मैप** और **बाली एक्शन प्लान** बनाया गया, ताकि क्योटो के बाद बातचीत का एक नया दौर शुरू किया जा सके।
COP 15 (2009, कोपेनहेगन, डेनमार्क)	विकसित देशों ने विकासशील राष्ट्रों की मदद के लिए $30 बिलियन का "फ़ास्ट-स्टार्ट फ़ाइनेंस" (2010-2012) प्रदान करने का वादा किया।
COP 16 (2010, कैनकन, मेक्सिको)	जलवायु परिवर्तन से निपटने के समझौतों को **औपचारिक रूप** दिया गया और जलवायु परियोजनाओं के वित्तपोषण में मदद के लिए **ग्रीन क्लाइमेट फंड** की स्थापना की गई।

IAS PCS Institute
Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

COP 18 (2012, दोहा, कतर)	क्योटो प्रोटोकॉल में **दोहा संशोधन** पर सहमति बनी, जिसने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 18% तक (1990 के स्तर की तुलना में) कम करने का एक नया लक्ष्य निर्धारित किया।
COP 19 (2013, वारसॉ, पोलैंड)	**REDD Plus** (वनों की कटाई और वन क्षरण से उत्सर्जन को कम करना) के लिए **वारसॉ फ्रेमवर्क** और **हानि और क्षति के लिए वारसॉ अंतर्राष्ट्रीय तंत्र (Warsaw International Mechanism for Loss and Damage)** की स्थापना की गई।
COP 21 (2015, पेरिस, फ्रांस)	**पेरिस समझौते** को अपनाया गया। मुख्य लक्ष्य थे: वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में **2°C से काफी नीचे** (और **1.5°C का लक्ष्य**) तक सीमित करना।विकसित देशों को प्रति वर्ष **$100 बिलियन** की जलवायु वित्त (climate finance) प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध करना।
COP 26 (2021, ग्लासगो, यूके)	भारत ने **2070 तक शुद्ध-शून्य (Net Zero) लक्ष्य** की घोषणा की और कोयला-आधारित बिजली के उपयोग को **"चरणबद्ध तरीके से कम करने (phase-down)"** की प्रतिबद्धता जताई। स्वच्छ ऊर्जा में तेज़ी लाने के लिए **ग्लासगो ब्रेकथ्रू एजेंडा** भी शुरू किया गया।
COP 27 (2022, शर्म अल-शेख, मिस्र)	मुख्य रूप से **हानि और क्षति कोष (Loss & Damage Fund)** पर ध्यान केंद्रित किया गया और फंड की स्थापना की गई। इसमें **शीघ्र चेतावनी प्रणालियों (early warning systems)** के लिए $3.1 बिलियन के वादे और जलवायु आपदा प्रभावित देशों के लिए G7-नेतृत्व वाली **'ग्लोबल शील्ड फाइनेंसिंग फैसिलिटी'** का शुभारंभ शामिल था।
COP 28 (2023, दुबई, यूएई)	हानि और क्षति कोष के लिए **$700 मिलियन** के प्रारंभिक वादे हासिल किए गए। **2050 तक शुद्ध-शून्य** हासिल करने के लिए जीवाश्म ईंधन से **"दूर जाने (transition away)"**, विश्व स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को **तीन गुना** करने, और **कूलिंग उत्सर्जन** को 68% तक कम करने पर सहमति बनी।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1.

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के अंतर्गत **पार्टियों के सम्मेलन (COP)** के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सीओपी, यूएनएफसीसीसी का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है।
2. सीओपी की पहली बैठक ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में हुई थी।
3. सीओपी बैठकों में लिए गए निर्णय सभी सदस्य देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) केवल 1 और 3

उत्तर: (A) केवल 1

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है** – COP वास्तव में **UNFCCC का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय** है, जो सभी पक्ष देशों के बीच समझौतों और नीतिगत निर्णयों की देखरेख करता है।
- **कथन 2 गलत है** – COP की **पहली बैठक (COP1)** वर्ष **1995 में बर्लिन (जर्मनी)** में आयोजित की गई थी, न कि रियो डी जेनेरियो में।
- **कथन 3 गलत है** – COP बैठकों में लिए गए निर्णय **स्वतः कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते**, जब तक कि उन्हें किसी **अंतरराष्ट्रीय संधि** (जैसे **क्योटो प्रोटोकॉल, 1997**) के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया न जाए।

प्रश्न 2.ब्राज़ील द्वारा हाल ही में प्रस्तावित ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट फ़ॉरेवर फ़ैसिलिटी (TFFF) का उद्देश्य है:

(A) मरुस्थलीकरण से प्रभावित देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

(B) पेरिस समझौते के तहत कार्बन ऑफ़सेट ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य करना।

(C) वन संरक्षण प्रयासों को पुरस्कृत करने के लिए एक निवेश-आधारित निधि के रूप में कार्य करना।

(D) कम वन क्षेत्र वाले देशों के लिए एक मुआवज़ा तंत्र बनाना।

उत्तर: (C) वन संरक्षण प्रयासों को पुरस्कृत करने के लिए एक निवेश-आधारित निधि के रूप में कार्य करना।

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न 1. "ब्राज़ील में COP30 की सफलता यह निर्धारित करेगी कि क्या वैश्विक जलवायु शासन वादों से कार्य-निष्पादन की ओर बढ़ सकता है।" बहुपक्षीय जलवायु कार्रवाई में विश्वास बहाल करने और आगे आने वाली चुनौतियों के लिए COP30 के महत्व पर चर्चा कीजिए।(250 WORDS)